महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर-273007 (उ.प्र.)

सेवा पथ

मासिक ई-पत्रिका

वर्ष-3 अंक-18

जनवरी, 2025

University Email-mguniversitygkp@mgug.ac.in

NSS Email-coordinator.nss@mgug.ac.in

NCC Email-ncc@mgug.ac.in

सम्पादक

डॉ. अखिलेश कुमार दूबे

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

कार्यक्रम समन्वयक, राष्ट्रीय सेवा योजना

सह सम्पादक

डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

सहायक आचार्य (सम्बद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय)

एसोसिएट एनसीसी ऑफिसर

ग्राफिक्स एवं डिजाइन

श्री शारदानन्द पाण्डेय

'सेवा पथ'

'सेवा पथ' एक मासिक ई–पत्रिका है, जिसका प्रकाशन महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में संचालित **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** एवं **'राष्ट्रीय कैडट कोर'** के द्वारा विश्वविद्यालय परिसर एवं विश्वविद्यालय के बाहर दिए जा रहे योगदान, सामाजिक सेवा, समाज के उत्थान हेतु किए जा रहे कार्यों इत्यादि का संकलन किया गया है। **'सेवा पथ'** मासिक ई–पत्रिका का **प्रथम संस्करण** माह **अगस्त 2023** में प्रकाशित किया गया था, जिसमें केवल **'राष्ट्रीय सेवा योजना'** द्वारा किए गए सामाजिक कार्यो एवं क्रियाकलापों को संकलन किया गया था। किन्तु आगे की कड़ी में बढ़ते हुए इस माह की मासिक ई–पत्रिका के **'चतुर्थ संस्करण'** में राष्ट्रीय सेवा योजना के साथ–साथ राष्ट्रीय कैडट कोर की इकाई के द्वारा किए जा रहे गतिविधियों को भी शामिल किया गया है।

इस मासिक ई–पत्रिका का नाम **'सेवा पथ'** शब्द सामाजिक सेवा और सामाजिक उत्कृष्टता की प्रवृत्ति की ओर केन्द्रित है। यह एक व्यक्ति या समूह का उद्दीपन करता है जो समाज में सेवा करने के लिए समर्पित है। **'सेवा पथ'** का आशय है कि व्यक्ति या समूह अपने कौशल, समर्पण की भावना से समाज की सेवा करें व दूसरों को भी सेवा करने के लिए उद्दीपित करता रहे। व्यक्ति या समूह जो सेवा पथ पर होता है, वे सामाजिक समस्याओं की पहचान करने के साथ–साथ समाधान ढूंढने और उन्हें सुलझाने में योगदान करता है। सामाजिक सेवा के माध्यम से, सेवा पथ से जुड़े व्यक्ति या समूह समृद्धि, समर्पण और सामाजिक न्याय की ओर प्रबल कदम बढ़ाता है।

इस तरह **'सेवा पथ'** एक मार्गदर्शक शब्द है जो सेवा और समृद्धि की दिशा में अग्रसर होने के लिए सभी को प्रेरित करता है।

राष्ट्रीय सेवा योजना

उद्घाटन कार्यक्रम ‘छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम’

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते विशिष्ट अतिथि डॉ. जी. एन. सिंह

श्री गौरव त्रिपाठी क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज, जनपद गोरखपुर,

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह

दिनांक : 02 जनवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में आज ‘छात्र पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम’ का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया।

यह कार्यक्रम छात्रों को पुलिस विभाग के कार्यप्रणाली से अवगत कराने तथा उनके बीच पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने की।

मुख्य अतिथि श्री गौरव त्रिपाठी क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज, जनपद गोरखपुर, उत्तर प्रदेश पुलिस विशिष्ट अतिथि डॉ. जी. एन. सिंह पूर्व औषधि महानियंत्रक भारत सरकार, श्री अतुल श्रीवास्तव एचएचओ चिलुवाताल जनपद गोरखपुर उपस्थित रहें।

समारोह का शुभारंभ दीप प्रज्वलन और सरस्वती वंदना के साथ हुआ। इसके बाद अतिथियों का स्वागत किया गया और उन्हें सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में राष्ट्रीय सेवा योजना का गीत भी प्रस्तुत किया गया।

कार्यक्रम में कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। छात्रों को पुलिस विभाग के कार्यप्रणाली को समझने का मौका मिलेगा और वे पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे और समाज को एक नयी दिशा देने में सहयोग करेंगे। निश्चित ही विद्यार्थियों को जोड़कर पुलिस विभाग के कार्यो का प्रशिक्षण प्राप्त कर समाज को जागरूक करेंगे।

क्षेत्राधिकारी श्री गौरव त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस विभाग छात्रों के लिए हमेशा सहयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों को पुलिस के प्रति कोई भ्रांति नहीं रखनी चाहिए। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग छात्रों के लिए हमेशा मददगार साबित होगा।

वहीं विशिष्ठ अतिथि डॉ. जी. एन.सिंह ने कहा की उत्तर प्रदेश की जनता निश्चल भाव के है। साइबर क्राइम तेजी से समाज में अपनी जड़ें जमा रहा है। सजग और सतर्क रहकर साइबर अपराधों से बचाने में युवा वर्ग महती भूमिका निभा सकता हैं।

युवाओं को सजग प्रहरी की तरह समाज के प्रति समर्पित रहना होगा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा के साथ विद्यार्थी को सामाजिक दायित्व को समझाने एवं उसका पालन करने के लिए सिखा रहा है।

कार्यक्रम की रुपरेखा और सभी अतिथि का स्वागत राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे ने किया। उन्होंने कहा कि कार्यक्रम में पुलिस की कार्यवाही को सीखकर विद्यार्थी अपना सवेगात्मक विकास करेंगे। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी श्री साध्वीनन्दन पाण्डेय ने किया।

इस अवसर पर डॉ. शशिकांत सिंह, प्राचार्य फार्मेसी संकाय, डॉ. विमल दुबे, अधिष्ठाता, कृषि संकाय, लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव, श्री आंनद मिश्र, रवि कुमार, कार्यक्रम अधिकारी, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. आयुष पाठक, श्री धनन्जय पाण्डेय कविता साहनी, सुमन यादव, गरिमा पाण्डेय के साथ समस्त विधार्थी अन्य गणमान्य व्यक्ति भी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय सेवा यो

पुलिस अनुभवात्मक अधिगम प्रशिक्षण कार्यक्रम

राष्ट्रीय सेवा योजना
युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय

राष्ट्रीय सेवा योजना

निबंध प्रतियोगिता : रोड सेफ्टी क्लब | राष्ट्रीय सेवा योजना

रोड सेफ्टी क्लब के अंतर्गत आयोजित निबंध प्रतियोगिता में प्रतिभाग करते विद्यार्थी

दिनांकः 05 जनवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में रोड सेफ्टी क्लब के अंतर्गत निबंध, प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

संयोजित प्रतियोगिता में सड़क सुरक्षा से संबंधित विषय पर 125 छात्र–छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के माता शबरी इकाई और आर्यभट्ट इकाई के स्वयं सेवकों सहित विश्वविद्यालय के अन्य विभागों के छात्र– छात्राओं ने प्रतिभाग किया। प्रतियोगिता में निर्याणक मंडल के भूमिका में रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी श्री धनंजय पांडेय ने महत्वपूर्ण भूमिका निभायी।

नोडल अधिकारी धनंजय पाण्डेय ने विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा के नियमों पर सरकार द्वारा चलाए जा रहे अभियानों के बारे बताते हुए कहा कि सड़क पर सुरक्षित यात्रा का संकल्प हम सभी को लेना चाहिए। सड़क सुरक्षा में यातायात जागरूकता नियमों का पालन करते हुए सतर्कता बरतने का प्रयास करना पहली प्राथमिकता होना चाहिए। बाइक पर हेलमेट, कार में शीट बेल्ट का प्रयोग अनिवार्य रूप से करे स्वयं भी लगाए और अपने साथियों को भी सुरक्षा संबंधी उपकरणों का प्रयोग करने के लिए प्रेरित करें। लापरवाही से आपकी घायल होने और जान जाने की आशंका हो जाती है अतः सतर्क सुरक्षित यात्रा का संकल्प लेकर रोड सेफ्टी के प्रति समर्पित रहे।

निबंध प्रतियोगिता में राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, माता शबरी इकाई के कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह, डॉ. आयुष पाठक, एन.सी.सी. अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव सहित सभी विभागों के प्राचार्य, अधिष्ठाता और शिक्षकगण का सहयोग रहा।

प्रदेश स्तरीय प्रश्नोत्तरी क्विज प्रतियोगिता : पूर्व सूचना | राष्ट्रीय सेवा योजना

दिनांकः 11 जनवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में राष्ट्रीय सेवा योजना के द्वारा स्वामी विवेकानंद जी जन्मदिन जयंती पर आयोजित युवा सप्ताह के अवसर पर 18 जनवरी को आनलाइन माध्यम से प्रदेश स्तरीय प्रश्नोत्तरी (क्विज) प्रतियोगिता का आयोजन किया जा रहा है जिसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले विद्यार्थियों को 11000 रुपये द्वितीय स्थान को 5000 एवं तृतीय स्थान को 3000 रुपये दिए जाएंगे।

यह प्रतियोगिता विद्यार्थियों के विकास एवं प्रतिभा निखारने के लिए आयोजित की जा रही है। विद्यार्थियों की सुविधा को ध्यान मे रखते हुए क्विज प्रतियोगिता की परीक्षा ऑनलाइन माध्यम से आयोजित की जाएगी। क्विज प्रतियोगिता में सामान्य ज्ञान, करेटं अफेयर्स, बेसिक कंप्युटर आधारित प्रश्न के साथ सामान्य विज्ञान पर आधारित प्रश्न रहेंगे।

विद्यार्थी दिनाक 10 जनवरी से 16 जनवरी तक वेबसाइट लिंक http: èèquç. mgug.ac.in पर जाकर अपना पंजीकरण कर सकते है। परीक्षा या पंजीकरण से संबंधित किसी भी जानकारी के लिए वेबसाइट पर जाकर देख सकते है।

यह जानकर राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे के द्वारा दी गयी।

अतिथि व्याख्यान : राष्ट्रीय युवा सप्ताह

राष्ट्रीय सेवा योजना

राष्ट्रीय युवा सप्ताह के अंतर्गत आयोजित अतिथि व्याख्यान में विद्यार्थियों को सम्बोधित करते श्री संजय कुमार श्रीवास्तव एवं उन्हें स्मृति चिन्ह् भेंट करते हुए डॉ. शशिकांत सिंह

दिनांकः 12 जनवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस के उपलक्ष्य मेंराष्ट्रीय युवा सप्ताह (12–18 जनवरी 2025) का आयोजन राष्ट्रीय सेवा योजना के तत्वावधान में किया जा रहा है।

इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक, सामाजिक और शैक्षिक कार्यक्रमों का आयोजन किया जाएगा। उद्घाटन समारोह में श्री दिलीप मिश्रा जी ने सभी अतिथियों एवं छात्रों का स्वागत किया। मुख्य अतिथि के रूप में श्री संजय कुमार श्रीवास्तव, विभाग कार्यवाह, गोरखपुर विभाग, राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ उपस्थित रहें। श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने अपने व्याख्यान में युवाओं को देश सेवा के लिए प्रेरित किया और उन्हें अपने कर्तव्यों के प्रति जागरूक किया।

श्री संजय कुमार श्रीवास्तव ने अपने व्याख्यान में युवाओं को देश सेवा के लिए प्रेरित करते हुए कहाए 'आज हम स्वामी विवेकानंद जी के जन्मदिवस पर एकत्र हुए हैं। स्वामी जी एक ऐसे महापुरुष थे जिन्होंने भारत के युवाओं में नई ऊर्जा का संचार किया था। उन्होंने हमें बताया था कि हम सभी में शक्ति है और हमें उस शक्ति को पहचानना है और उसका उपयोग देश सेवा के लिए करना है।'

स्वामी विवेकानंद जी ने शिकागो में हुए विश्व धर्म सम्मेलन में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए पूरे विश्व को वेदांत और योग की शिक्षा दी थी। उन्होंने युवाओं को आत्मविश्वास से भर दिया और उन्हें बताया कि हम सभी एक हैं।

आज, जब हमारा देश नए युग में प्रवेश कर रहा है, हमें स्वामी जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाना होगा। हमें देश सेवा के लिए आगे आना होगा। हमें गरीबों और कमजोरों की सेवा करनी होगी। हमें शिक्षा और ज्ञान के प्रसार में योगदान देना होगा। हमें एक ऐसे भारत का निर्माण करना है जहां सभी को समान अवसर मिलें।

आप सभी युवा हैं, देश का भविष्य हैं। आपके हाथों में देश का भाग्य है। आप जो करेंगे, वह देश का भविष्य तय करेगा। इसलिए, मैं आप सभी से आग्रह करता हूं कि आप स्वामी विवेकानंद जी के आदर्शों को अपने जीवन में अपनाएं और देश सेवा के लिए आगे बढ़ें।

इस कार्यक्रम में फार्मेसी संकाय के प्रधानाचार्य प्रोफेसर डॉ. शशिकांत सिंह, सुश्री पूजा जायसवाल, सुश्री जूही तिवारी, सुश्री नंदिनी जायसवाल, श्री दीपक कुमार, श्री प्रवीण कुमार सिंह, श्री अमित उपाध्याय, एनएसएस कार्यक्रम अधिकारी डॉ. अभिषेक कुमार सिंह सहित फार्मेसी संकाय के राष्ट्रीय सेवा योजना के माता सबरी इकाई के स्वयंसेवकों ने बढ़.चढ़ कर बड़ी संख्या में भाग लिया।

इस राष्ट्रीय युवा सप्ताह का उद्देश्य युवाओं को राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करना, सामाजिक सेवा के प्रति प्रेरित करना और उनके व्यक्तित्व विकास में सहायता करना है। सप्ताह के दौरान आयोजित होने वाले कार्यक्रमों में युवाओं को सामाजिक मुद्दों पर विचार– विमर्श करने, स्वयंसेवा गतिविधियों में भाग लेने और अपने नेतृत्व कौशल को विकसित करने का अवसर मिलेगा।

कार्यक्रम के दौरान फार्मेसी संकाय के प्रधानाचार्य डॉक्टर शशिकांत जी ने मुख्य अतिथि संजय कुमार श्रीवास्तव को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। कार्यक्रम के अंत में मिस जूही तिवारी जी ने मुख्य अतिथि का धन्यवाद ज्ञापन किया।

इस राष्ट्रीय युवा सप्ताह के माध्यम से महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय युवाओं को राष्ट्र निर्माण में उनकी भूमिका के प्रति जागरूक करने और उन्हें समाज के प्रति जिम्मेदार नागरिक बनाने का प्रयास कर रहा है।

स्वास्थ्य शिविर

राष्ट्रीय सेवा योजना

शिविर में लोगों का स्वास्थ्य परीक्षण एवं परामर्श देते चिकित्सक

दिनांकः 18 जनवरी, 2024 । महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय अन्तर्गत गुरु गोरक्षनाथ इंस्टीट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज् (आयुर्वेद कॉलेज) में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना के अष्टावक्र इकाई के स्वयंसेवकों और आयुर्वेद चिकित्सकों द्वारा विगत तीन दिनों से गोरखनाथ मंदिर परिसर में खिचड़ी मेला क्षेत्र में निःशुल्क चिकित्सा शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

इस चिकित्सा शिविर का आयोजन एक सप्ताह तक किया जाएगा। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम अधिकारी आचार्य साध्वी नन्दन पाण्डेय ने बताया कि यह चिकित्सा शिविर जो 16 जनवरी प्रारम्भ किया गया है 22 जनवरी 2025 तक लगाया जाएगा।

शिविर में निःशुल्क स्वास्थ्य परीक्षण, आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति के द्वारा

चिकित्सकीय परामर्श प्रदान और आयुर्वेद चिकित्सा पद्धति का प्रचार–प्रसार किया जा रहा है। जिसमें गोरखपुर सहित विभिन्न जनपदों के नागरिक खिचड़ी मेला का आनन्द लेने के साथ स्वस्थ रहने के उपाय और निःशुल्क आयुर्वेदिक परामर्श भी प्राप्त कर रहे हैं।

आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम ने कहा कि प्रतिदिन शिविर में विभिन्न रोगों से सम्बन्धित परामर्श हेतु रोग विशेषज्ञ समय दे रहे हैं जिसमें अगद तंत्र विभाग की डॉ. रश्मि पुष्पन, क्रिया शरीर विभाग के डॉ. नवोदय राजू, रचना शरीर विभाग के डॉ. ब्रह्मदेव, मानसिक रोग विशेषज्ञ डॉ. रिनझिन अन्य डॉ. जितेन्द्र, डॉ. जितेन्द्र, डॉ. यास्मीन, डॉ. देवी नायर और बीएमएस विद्यार्थी एनएसएस स्वयंसेवक भी अपना योगदान दे रहे हैं।

पराक्रम दिवस : मानव श्रृंखला

राष्ट्रीय सेवा योजना

पराक्रम दिवस के अवसर पर मानव श्रृंखला बनाते विद्यार्थी एवं उन्हें सम्बोधित करते हुए लें. डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव

दिनांकः 23 जनवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में पराक्रम दिवस के अवसर पर मानव श्रृंखला बनाकर विद्यार्थियों को सड़क सुरक्षा शपथ ग्रहण कराया गया।

रोड सेफ्टी क्लब के अंतर्गत आयोजित मानव श्रृंखला शपथ ग्रहण की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह कुलसाचिव डॉ. प्रदीप राव एवं रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय एवं लेफ्टनेट संदीप कुमार श्रीवास्तव ने किया। जिसमें सभी विद्यार्थी को प्रतिज्ञा कराते हुए बताया गया कि हम सदैव यातायात नियम का पालन करेंगें तथा सुरक्षित यात्रा हेतु सदैव नियमों का पालन करेंगे तथा जिसमें दो पहिया वाहन चलाते समय स्वयं व पीछे बैठे व्यक्ति को बीआईएस मानक हेलमेट अवश्य पहनेंगे तथा चार पहिया वाहन चलाते समय बेल्ट लगाएंगे और तेज रफ्तार वाहन नहीं चलाएंगे और गलत दिशा मे वाहन नहीं चलाएंगे एवं मोबाइल फ़ोन का प्रयोग नहीं करेंगें का शपथ ग्रहण कराया गया।

इस कार्यक्रम के रोड सेफ्टी क्लब के नोडल अधिकारी श्री धनंजय पाण्डेय ने बताया कि उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा सड़क दुर्घटना कम करने के लिए माननीय मुख्यमंत्री जी के दिशा निर्देश अनुसार इस तरह कार्यक्रम कराया जाता है। जिससे आज कि युवा पीढ़ी अपने साथ अपने परिवार का भी जीवन सुरक्षित कर सके।

इस कार्यक्रम में एनसीसी के लेफ्टमनेट कर्नल डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने अपने व्याख्यान में बताया कि आज भारत जैसे देश मे इस तरह जागरूकता बहुत जरुरी है जिससे हम परिवार के साथ–साथ अपने आपकी सुरक्षा कर सकते मोटर वाहन चलाते समय क्या मानक होना चाहिए ये भी बताया विद्यार्थी ने मानव श्रृंखला बनाकर जागरूकता और सड़क दुर्घटना मे कमी का विश्वास दिलाया।

इस कार्यक्रम में जिसमें संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के अधिष्ठाता प्रो. डॉ. सुनील कुमार सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अमित दुबे, अनुपमा ओझा, डॉ. आशुतोष, ब्रांड एंबेसडर शिवम् पाण्डेय भी उपस्थित रहें।

शपथ ग्रहण समारोह : मतदाता दिवस

राष्ट्रीय सेवा योजना

मतदाता दिवस का शपथ ग्रहण करते महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के स्वयंसेवक

दिनांकः 25 जनवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मतदाता दिवस का शपथ ग्रहण कर विद्यार्थियों ने मताधिकारों के अधिकारों का संकल्प लिया।

गोरक्षनाथ कॉलेज ऑफ नर्सिंग के सभागार में विश्वविद्यालय के मतदाता जागरूकता अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि सशक्त लोकतंत्र के निमार्ण में हर वोट जरूरी है। लोकतंत्र में मतदाता को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण निर्वाचन की गरिमा को अछुण्य बनाए रखने के लिए निर्भीक होकर धर्म,वर्ग, जाति, समुदाय भाषा या अन्य किसी भी प्रलोभन से प्रभावित हुए बिना निर्वाचन में अपने मत का प्रयोग करना चाहिए।

संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय में शपथ ग्रहण कराते हुए नचिकेता इकाई के कार्यक्रम अधिकारी अनिल कुमार ने कहा कि 18वर्ष के उम्र के मतदाताओं को मताधिकार से जोड़ने के लिए निर्वाचन आयोग निरंतर प्रयास कर रहा है। आज के दिन सभी भारतीय नागरिकों को मतदान के प्रति कृत संकल्पित होना चाहिए भारत के प्रत्येक व्यक्ति का वोट ही देश का भावी भविष्य की नींव रखता है। आर्यभट्ट इकाई की कार्यक्रम अधिकारी डॉ. रश्मि झा ने स्वयं सेवकों को मतदाता दिवस की शपथ करवाया। नर्सिंग कॉलेज में माता अनसुईया इकाई की कार्यक्रम अधिकारी सुमन यादव, गार्गी इकाई की कविता साहनी और मैत्रीय इकाई की कार्यक्रम अधिकारी गरिमा पाण्डेय अपने स्वयं सेवकों के साथ सहयोग किया। शपथ ग्रहण समारोह में विश्वविद्यालय के सभी प्राचार्य, अधिष्ठाता विभागाध्यक्ष शिक्षक गण, राष्ट्रीय सेवा योजना के स्वयं सेवक और राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स ने सम्मिलित होकर मतदाता दिवस में सहभागिता किया।

76वां गणतंत्र दिवस : ध्वजारोहण कार्यक्रम

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

ध्वजारोहण करते हुए माननीय कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह एवं लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए माननीय कुलपति डॉ. सुरिन्दर सिंह एवं लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह

दिनांक: 26 जनवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर बालापार में पंचकर्म केन्द्र के भव्य प्रांगण में 76वां गणतंत्र दिवस सांस्कृतिक प्रस्तुति और डेयर डेविल्स शौर्य प्रदर्शन के साथ मनाया गया।

माननीय कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह एवं विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने ध्वजारोहण कर विद्यार्थियों और शिक्षकों को 76वें गणतंत्र दिवस की बधाई दी।

कुलपति प्रो. सुरिंदर सिंह ने कहा कि गणतंत्र दिवस का थीम स्वर्णिम भारत विरासत और विकास है जो देश की प्रगति यात्रा को दर्शाती है। इस समृद्धि की यात्रा में बहुत सारी चुनौतियां आईं हमने पार भी किया। बीते बीस वर्ष भारत के इतिहास में सबसे तेजी से विकास यात्रा के वर्ष रहे हैं। इसमें युवाओं का अहम योगदान रहा है। निश्चित ही हमारे विद्यार्थी और युवा विकसित भारत का सपना साकार करेंगे। गणतंत्र भारतवर्ष की उभरती आकांक्षाओं का है। गणतंत्र मूल्यों का अर्थ है लोकतंत्र, समानता, न्याय, स्वतंत्रता और बहुलता, विचार, अभिव्यक्ति विश्वास एवं मान्यता की स्वतंत्रता का मूल्य हमें न केवल रचनात्मक बनाता है अपितु हमारे राष्ट्र की सर्वतोमुखी प्रगति में नागरिकों के योगदान की भूमिका को भी सुनिश्चित करता है। इस समृद्ध गणतंत्र की यात्रा में कई चुनौतियाँ आती हैं जो हमारे देश की एकता, अखंडता और विकास को प्रभावित करती हैं।

विशिष्ट अतिथि लेफ्टिनेंट कर्नल अभिषेक मान सिंह ने अपने उद्बोधन में कहा कि देश की अखंडता एवं लोकतंत्र की अजेयता को समर्पित भारत के सृजन और संकल्प की प्रेरणा गणतंत्र दिवस दे रहा है। हमारा युवा किसी से कम नहीं है। आप जो भी करें राष्ट्रहित का ध्यान रखकर करें सब अच्छा होगा। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय नीत नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। आप सबको बधाई भी देता हूं कि यहां की एक एनसीसी

कैडेट्स का चयन राष्ट्रपति पुरस्कार के लिए भी हुआ है।

सांस्कृतिक कार्यक्रम में देशभक्ति गीत और नृत्य ने सभी को देश भक्ति के रंग में रंग दिया। वहीं राष्ट्रीय कैडेट कोर 102 यू. पी. बटालियन विश्वविद्यालय की कंपनी ने लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव के नेतृत्व में गार्ड ऑफ ऑनर और डेयर डेविल्स शौर्य प्रदर्शन किया। परेड और डेयर डेविल्स दल का नेतृत्व सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल, अंडर आफिसर अंशिका सिंह, अंडर आफिसर मोती लाल, सार्जेंट खुशी गुप्ता, सार्जेंट आदित्य विश्वकर्मा, कैडेट कृष्णा त्रिपाठी ने किया। पहली बार डेयर डेविल्स के बाइकर्स ग्रुप के कैडेट्स ने अद्भुत संतुलन अदम्य शौर्य साहस से तिरंगे के साथ प्रदर्शन किया।

रोमांचित सभी विद्यार्थियों और दर्शकों ने भारत माता के जयकारे लगाकर डेयर डेविल्स दल का उत्साहवर्धन किया। कैडेट्स द्वारा बाइक पर पिरामिड बना बाइक राइडिंग सभी के लिए आकर्षण का प्रमुख केन्द्र रहा।

एनसीसी कैडेट्स सीनियर अण्डर अफसर सागर जायसवाल, मोतीलाल, अंशिका सिंह, सार्जेंट आदित्य, कार्पोरल अभिषेक कैडेट्स अनुभव को माननीय कुलपति प्रमाणपत्र प्रदान कर सम्मानित किया। आयोजन में मंच संचालन उत्कर्ष सिंह, अभिषेक ने किया। राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे ने सभी के प्रति धन्यवाद ज्ञापन किया।

आयोजन में एनसीसी और एनएसएस के सभी इकाइयों का योगदान रहा। कार्यक्रम में आयुर्वेद कॉलेज के प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदांतम, डॉ. डी.एस. अजीथा, प्रो. सुनील कुमार सिंह, प्रो. शशिकांत सिंह, डॉ. विमल कुमार दुबे, डॉ. रोहित श्रीवास्तव, तरुण शाह सहित सभी शिक्षकगण एवं विद्यार्थी उपस्थित रहें।

समारोह के दौरान प्रस्तुति देते विभिन्न संकायों के विद्यार्थी

राष्ट्रीय कैडेट कोर

विद्यार्थियों को सम्बोधित करते हुए प्राचार्य कर्नल (रि.) डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा

दिनांकः 07 जनवरी, 2025 को महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मिशन शक्ति योजना के पांचवे चरण द्वारा आयोजित व्याख्यान विषय सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यान देते हुए प्राचार्य कर्नल (रि.) डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर ने कहा कि भारतीय सेना में महिलाओं की भर्ती भारत सरकार की सकारात्मक पहल रहा है। महिलाओं में रचनात्मक सृजन और नवाचार, निर्णय लेने और परिणाम के प्रति समर्पण भाव अर्पण किया है। देश में महिलाओं ने सेना क्षेत्र में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित करके समाज के लिए रोल मॉडल और प्रेरणा दिया है। वर्तमान आंकड़ों में भारतीय सेना, वायु और नौ सेना में कुल नौ हजार चौरासी महिला कार्मिक सेवारत है। जो अपने अदम्य साहस और कर्तव्य निष्ठा से रक्षा क्षेत्र में स्वर्णिम इतिहास लिख रही है।

शिव और शक्ति के बिना सृष्टि की कल्पना नहीं की जा सकती है। महिलाएं पुरुषों की अपेक्षा प्रकृति के रूप में श्रेष्ठ है। लक्ष्मीबाई से कैप्टन लक्ष्मी सहगल की परंपरा में नारी ने युद्ध के मैदान में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी, चंद्रयान के लैंडिंग स्थल भी शिवशक्ति थी। महिलाएं कभी भी नकारात्मक या हीन भावना से ग्रसित न हो, चूल्हे से लेकर सशस्त्र सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

व्याख्यान विषय पर एन.सी.सी. अधिकारी लेफ्टिनेंट (डॉ.) संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में महिलाओं के लिए अनंत स्वर्णिम द्वार खुले हुए हैं ।आत्मस्वयं शक्ति, कुशल नेतृत्व और देश सेवा का संकल्प रक्षा क्षेत्र का मूल है। महिलाओं ने घर की चार दिवारी को लांघ कर अब रक्षा क्षेत्र में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन कर देश सेवा में अग्रणी भूमिका निभा रही हैं।

सैन्य सेवा में रोजगार की संभावना पर प्रोत्साहित करते हुए डॉ. संदीप श्रीवास्तव ने कहा कि भारतीय सेना, नौसेना और वायुसेना में महिलाओं की भूमिका एक समय तक सीमित थी, लेकिन पिछले कुछ दशकों में महिलाओं के लिए विभिन्न सैन्य सेवाओं में प्रवेश के अवसर बढ़े हैं। आज, महिलाएं भारतीय सैन्य बलों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं और उनकी भूमिका न केवल युद्धक गतिविधियों तक सीमित है, बल्कि वे रणनीतिक निर्णय लेने में भी शामिल हैं। भारतीय सेना में पहले महिलाओं की नियुक्त चिकित्सा सेवाएं प्रशासनिक और सहायक कार्यों में होती थी। भारत सरकार ने महिलाओं को स्थायी कमीशन देकर अनंत स्वर्णिम अवसरों के द्वार खोल दिया है।

आज भारतीय सेना में महिलाएं न केवल प्रशासनिक कार्यों में बल्कि युद्धक भूमिकाओं में भी कार्यरत हैं। भारतीय सेना में महिलाएं अब सेना, वायुसेना और नौसेना के अलावा भी विभिन्न महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। महिलाएं अब भारतीय सेना के प्रमुख अभियानों, युद्धों और संकटों में भी भाग ले रही हैं। सैन्य सेवाओं से महिलाओं को न केवल एक पेशेवर वातावरण देकर आत्मनिर्भर बनने के लिए भी प्रेरित करता हैं। भारतीय सेना में प्रतिष्ठित महिला अधिकारियों और सैनिकों ने सैन्य अभियानों में सम्मिलित होकर अपने शौर्य, अदम्य साहस से देश को गौरांवित किया है। रक्षा क्षेत्र में मेडिकल विंग्स, लॉ, प्रशासनिक, इंजीनियरिंग, आर्म्स और सर्विसेज, राष्ट्रीय रक्षा अकादमी, वायु सेना में लड़ाकू पायलट, नेवी पायलट के लिए स्वयं को तैयार कर सकती हैं।

कार्यक्रम का संचालन अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने किया। व्याख्यान में प्रमुख रूप से अंडर आफिसर अंशिका सिंह, कैडेट आशुतोष मणि त्रिपाठी और अस्मिता सिंह ने सशस्त्र सेना में महिलाओं की भूमिका पर सभी को जागरूक किया।

कार्यक्रम में प्रमुख रूप से फार्मेशी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक सिंह, श्रीमती जूही तिवारी सहित राष्ट्रीय सेवा योजना के माता शबरी इकाई के स्वयं सेवकों सहित राष्ट्रीय कैडेट कोर के कॉरपोरल अभिषेक चौरसिया, खुशी यादव, शालनी चौहान, संजना शर्मा, अमृता कन्नौजिया, अनुभव पांडेय, नीलेश यादव, अभिषेक मिश्रा, शिखर पाण्डेय, उजाला सिंह, पार्वती साहनी, अनुराधा विश्वकर्मा सहित संबद्ध सहित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहें।

राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स के साथ एवं सम्बोधित करते हुए डम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा

विभिन्न प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग करते राष्ट्रीय कैडेट कोर के कैडेट्स

दिनांकः 12 जनवरी, 2025 को राष्ट्रीय युवा दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर कंपनी 102 यूपी बटालियन द्वारा राष्ट्र नव निर्माण में युवा सशक्तीकरण व्याख्यान और खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया।

भारत माता, महायोगी गोरखनाथ, स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्वलन कर व्याख्यान का शुभारंभ हुआ। राष्ट्र नव निर्माण में युवा सशक्तीकरण व्याख्यान में युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए 102 यू.पी.एन.सी.सी. बटालियन के अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने संपूर्ण जीवन हिंदुत्व की रक्षा में समर्पित किया, वे हिंदुत्व की आध्यात्मिक दिव्यता के ज्योति पुंज है। युवाओं को अपने लक्ष्य पर केंद्रित होते हुए राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेने के आगे आना होगा। युवा शक्ति अपने लक्ष्य के साथ अपनी परंपरागत संस्कारों से नींव को मजबूत रखें। युवाओं में असीम ऊर्जा है उसे राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित करें जिससे देश हित में ही हमारा विकास है। लेफ्टीनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा राष्ट्र के नव निर्माण में युवाओं का आह्वाहन करते हुए कहा कि सशक्त राष्ट्र निर्माण को मजबूत करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा उम्र महत्वपूर्ण नहीं है स्वामी जी ने मात्र 23 वर्ष की आयु में आध्यात्म संकल्प से विश्व को हिंदुत्व का मूल कंठस्थ करा दिया था। राष्ट्र सेवा के संकल्प का उत्कृष्ट उदाहरण भारतीय सेना है।

व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए लेफ्टीनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का जीवन संपूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने संपूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया।

व्याख्यान का संचालन सार्जेंट खुशी गुप्ता और श्रद्धा उपाध्याय ने किया। व्याख्यान से पूर्व अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी को सीनियर अंडर ऑफिसर सागर जायसवाल ने कैडेट्स के साथ गार्ड ऑफ ऑनर सैन्य सम्मान की परंपरा को पूर्ण किया। पायलट कैडेट श्रद्धा उपाध्याय और आंचल पाठक ने अतिथि को सम्मान दिया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिता में कैडेट्स ने 400 मीटर, 100 मीटर दौड, सेक रेस, नींबू दौड़, सुई धागा दौड़ और टग ऑफ वॉर प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। आयुर्वेद प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम जी ने व्हिस्ल बजाकर दौड प्रतियोगिता का शुभारंभ और लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने सेक ऑफ रेस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।

दौड प्रतियोगिता में 400 मीटर बालक वर्ग में प्रथम अरुण विश्वकर्मा, द्वितीय आदित्य, तृतीय सागर जायसवाल, सांत्वना अरविंद और अभिषेक मिश्रा, 100 मीटर दौड़ में प्रथम अरुण, द्वितीय सूरज, तृतीय आदित्य, सांत्वना अभिषेक, शिखर और आलोक, गर्ल्स 400 मीटर में प्रथम आंचल पाठक, द्वितीय उजाला सिंह, तृतीय काजल, सांत्वना पार्वती और श्रद्धा उपाध्याय रहीं। 100 मीटर

गर्ल्स में प्रथम अस्मिता, द्वितीय आंचल, तृतीय संजना, सांत्वना खुशी, श्रद्धा, टैग ऑफ वार गर्ल्स टीम सीनियर विजेता रहा जिसमें श्रद्धा, शालिनी, खुशी, खुशी गुप्ता, चांदनी, संजना, आंचल ने प्रतिद्वंदी टीम को पटखनी दिया।

टग ऑफ वॉर जूनियर बॉयज कैडेट ने सीनियर्स को मैदान में पटका। नींबू दौड़ ब्याज प्रतियोगिता में प्रथम अभिषेक, द्वितीय कृष्णा, तृतीय नीलेश सांत्वना आलोक और अरविंद रहे। नींबू दौड़ प्रतियोगिता गर्ल्स कैडेट में प्रथम उजाला, द्वितीय खुशी गुप्ता, तृतीय खुशी यादव, सांत्वना श्रद्धा, शालनी और संजना रही। शेक रेस सीनियर बॉयज में प्रथम आदित्य, द्वितीय कृष्णा, तृतीय अमित, सांत्वना सागर यादव और सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सेक रेस में प्रथम आंचल, द्वितीय श्रद्धा, तृतीय खुशी यादव, सांत्वना खुशी गुप्ता और अमृता कन्नौजिया रही ।

आयोजन में प्रमुख रूप से कैडेट अतिका तिवारी, सूरज कुमार, ज्ञानेश्वर मौर्या, आदित्य विश्वकर्मा, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष मणि त्रिपाठी, अनुभव, आशुतोष सिंह, चांदनी निषाद, मनीष गुप्ता, ममता, वसुंधरा, विकास यादव, अनुराधा, काजल गौतम, गौरी कुशवाहा, संजना शर्मा सहित सभी प्राचार्य, अधिष्ठाता विभागाध्यक्ष शिक्षक गण ने कैडेट्स का मनोबल बढ़ाया।

समाचार पत्रों में सेवा पथ

01 जनवरी 2025 से 31 जनवरी 2025

पुलिसिंग समझने से छात्रों में आएगा सकारात्मक दृष्टिकोण :डॉ. सुरिंदर

☐ छात्रों के लिए हमेशा मददगार साबित होगा पुलिस विभाग : गौरव त्रिपाठी

☐ युवाओं को सजग प्रहरी की तरह रहना होगा समाज के प्रति समर्पित : डॉ. जीएन सिंह

स्वतंत्र चेतना

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में गुरुवार को ह्यछात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रमह्व का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम छात्रों को पुलिस विभाग के कार्यप्रणाली से अवगत कराने तथा उनके बीच पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता कुलपति डॉ.सुरिंदर सिंह ने की। मुख्य अतिथि कैंपियरगंज के क्षेत्राधिकारी गौरव त्रिपाठी एवं विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह रहे।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। छात्रों को पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को समझने का मौका मिलेगा और वे पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे तथा समाज को एक नयी दिशा देने में सहयोग करेंगे।

क्षेत्राधिकारी गौरव त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस विभाग छात्रों के लिए हमेशा सहयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों को पुलिस के प्रति कोई भ्रांति नहीं रखनी चाहिए। पुलिस विभाग छात्रों के लिए हमेशा मददगार साबित होगा।

डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता निश्छल भाव की है। आज साइबर क्राइम तेजी से समाज में अपनी जड़ें जमा रहा है। सजग और सतर्क रहकर साइबर अपराधों से बचाने में युवा वर्ग महती भूमिका निभा सकता है। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा देने के साथ विद्यार्थी को सामाजिक दायित्वों का बोध भी करा रहा है।

राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ.अखिलेश दुबे ने कहा कि कार्यक्रम में पुलिस की कार्यवाही को सीखकर विद्यार्थी अपना संवेगात्मक विकास करेंगे।

इस अवसर पर डॉ.शशिकांत सिंह प्राचार्य फामेसी संकाय, डॉ.विमल दुबे अधिष्ठाता कृषि संकाय, लेफ्टिनेंट डॉ.संदीप श्रीवास्तव, आंनद मिश्र, रवि कुमार, डॉ.अभिषेक सिंह, डॉ.आयुष पाठक, धनन्जय पाण्डेय, कविता साहनी, सुमन यादव, गरिमा पाण्डेय के साथ समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पुलिसिंग समझने से छात्रों में समाज के प्रति आएगा सकारात्मक दृष्टिकोण :डॉ. सुरिंदर सिंह

छात्रों के लिए हमेशा मददगार साबित होगा पुलिस विभाग : गौरव त्रिपाठी

युवाओं को सजग प्रहरी की तरह समाज के प्रति समर्पित रहना होगा : डॉ. जीएन सिंह

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में गुरुवार को ह्यछात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रमह्व का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों को पुलिस विभाग के कार्यप्रणाली से अवगत कराने तथा उनके बीच पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति डॉ.सुरिंदर सिंह ने की। मुख्य अतिथि पुलिस क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज गौरव त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह और चिलुआताल के थाना प्रभारी अतुल श्रीवास्तव रहे। इस अवसर पर कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। छात्रों को पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को समझने का मौका मिलेगा और वे पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे तथा समाज को एक नयी दिशा देने में सहयोग करेंगे। निश्चित ही विद्यार्थियों को जोड़कर पुलिस विभाग के कार्यों का प्रशिक्षण प्राप्त कर समाज को जागरूक करेंगे। क्षेत्राधिकारी गौरव त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस

विभाग छात्रों के लिए हमेशा सहयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों को पुलिस के प्रति कोई भ्रांति नहीं रखनी चाहिए। पुलिस विभाग छात्रों के लिए हमेशा मददगार साबित होगा। डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता निश्छल भाव की है। आज साइबर क्राइम तेजी से समाज में अपनी जड़ें जमा रहा है। सजग और सतर्क रहकर साइबर अपराधों से बचाने में युवा वर्ग महती भूमिका निभा सकता हैं। युवाओं को सजग प्रहरी की तरह समाज के प्रति समर्पित रहना होगा। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा देने के साथ विद्यार्थी को सामाजिक दायित्वों का बोध भी करा रहा है। कार्यक्रम की रुपरेखा बताते हुए और सभी अतिथि का स्वागत राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ.अखिलेश दुबे ने कहा कि कार्यक्रम में पुलिस की कार्यवाही को सीखकर विद्यार्थी अपना संवेगात्मक विकास करेंगे। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी साध्वीनन्दन पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर डॉ.शशिकांत सिंह प्राचार्य फामेसी संकाय, डॉ.विमल दुबे अधिष्ठाता कृषि संकाय, लेफ्टिनेंट डॉ.संदीप श्रीवास्तव, आंनद मिश्र, रवि कुमार, डॉ.अभिषेक सिंह, डॉ.आयुष पाठक, धनन्जय पाण्डेय, कविता साहनी, सुमन यादव, गरिमा पाण्डेय के साथ समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

पुलिसिंग समझने से छात्रों में आएगा सकारात्मक दृष्टिकोण

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विवि में 'छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम' का आयोजन किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों को पुलिस विभाग के कार्यप्रणाली से अवगत कराने तथा उनके बीच पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के कुलपति डा. सुरिंदर सिंह ने की। मुख्य अतिथि सीओ कैम्पियरगंज गौरव त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह और चिलुआताल के थानाप्रभारी अतुल श्रीवास्तव रहे।

कुलपति डा. सुरिंदर सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। छात्रों को पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को समझने का मौका मिलेगा और वे पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे तथा समाज को एक नयी दिशा देने में सहयोग करेंगे। निश्चित ही छात्रों को जोड़कर पुलिस विभाग के कार्यों का प्रशिक्षण प्राप्त कर समाज को जागरूक करेंगे। क्षेत्राधिकारी गौरव त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस विभाग छात्रों के लिए हमेशा सहयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों को पुलिस के प्रति कोई भ्रांति नहीं रखनी चाहिए। पुलिस विभाग छात्रों के लिए हमेशा मददगार साबित होगा। पूर्व औषधि महानियंत्रक डा. जीएन सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता निश्छल भाव की है। आज साइबर क्राइम तेजी से समाज में अपनी जड़ें जमा रहा है। सजग और सतर्क रहकर साइबर अपराधों से बचाने में युवा वर्ग महती भूमिका निभा सकता हैं। युवाओं को सजग प्रहरी की तरह समाज के प्रति समर्पित रहना होगा। उन्होंने कहा कि महायोगी

■ छात्रों के लिए हमेशा मददगार साबित होगा पुलिस विभाग : गौरव त्रिपाठी

■ युवाओं को सजग प्रहरी की तरह समाज के प्रति समर्पित रहना होगा : डा. जीएन सिंह

गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा देने के साथ छात्रों को सामाजिक दायित्वों का बोध भी करा रहा है। अतिथियों का स्वागत रासेयो के समन्वयक डा. अखिलेश दुबे ने कहा कि कार्यक्रम में पुलिस की कार्यवाही को सीखकर छात्र अपना संवेगात्मक विकास करेंगे। कार्यक्रम अधिकारी साध्वीनन्दन पाण्डेय ने धन्यवाद ज्ञापन किया। इस अवसर पर डा. शशिकांत सिंह प्राचार्य फार्मेसी संकाय, डा.विमल दुबे अधिष्ठाता कृषि संकाय, लेफ्टिनेंट डा.संदीप श्रीवास्तव, आंनद मिश्र, रवि कुमार,डा.अभिषेक सिंह, डा. आयुष पाठक, धनन्जय पाण्डेय, कविता साहनी, सुमन यादव एवं गरिमा पाण्डेय समेत अन्य कई अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

पुलिसिंग समझने से छात्रों में समाज के प्रति आएगा सकारात्मक दृष्टिकोण : डॉ. सुरिंदर सिंह

छात्रों के लिए हमेशा मददगार साबित होगा पुलिस विभाग : गौरव त्रिपाठी, युवाओं को सजग प्रहरी की तरह समाज के प्रति समर्पित रहना होगा : डॉ. जीएन सिंह

[illegible]

साइबर अपराध से बचाने में युवाओं की भूमिका अहम

व्याख्यान

■ गोरखनाथ विवि में छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम का उद्घाटन

■ युवाओं को सजग प्रहरी की तरह समाज के प्रति समर्पित रहना होगा : डॉ. जीएन सिंह

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में गुरुवार को छात्र-पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों को पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली से अवगत कराने तथा उनके बीच पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। अध्यक्षता कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने की। मुख्य अतिथि पुलिस क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज गौरव त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह और चिलुआताल के थाना प्रभारी अतुल श्रीवास्तव रहे।

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में छात्रों को दी गई पुलिसिंग की जानकारी।

इस अवसर पर कुलपति डॉ. सिंह ने कहा कि इस कार्यक्रम के जरिए छात्रों को पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को समझने का मौका मिलेगा। छात्र पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे। समाज को एक नयी दिशा देने में सहयोग करेंगे। क्षेत्राधिकारी गौरव त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस विभाग छात्रों के लिए हमेशा सहयोगी रहा है।

डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि आज साइबर क्राइम तेजी से समाज में अपनी जड़ें जमा रहा है। सजग और सतर्क रहकर साइबर अपराधों से बचाने में युवा वर्ग महती भूमिका निभा सकता हैं। इस अवसर पर राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे, साध्वीनन्दन पाण्डेय, डॉ. शशिकांत सिंह, डॉ. विमल दुबे, लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप श्रीवास्तव, आनंद मिश्र, रवि कुमार, डॉ. अभिषेक सिंह, डॉ. आयुष पाठक, धनन्जय पाण्डेय, कविता साहनी, सुमन यादव, गरिमा पाण्डेय उपस्थित रहे।

पुलिसिंग समझने से छात्रों में समाज के प्रति आएगा सकारात्मक दृष्टिकोण :डॉ. सुरिंदर सिंह

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में गुरुवार को 'छात्र–पुलिस अनुभवात्मक अधिगम कार्यक्रम' का उद्घाटन समारोह आयोजित किया गया। यह कार्यक्रम छात्रों को पुलिस विभाग के कार्यप्रणाली से अवगत कराने तथा उनके बीच पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित करने के उद्देश्य से आयोजित किया जा रहा है। समारोह की अध्यक्षता महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर के कुलपति डॉ.सुरिंदर सिंह ने की। मुख्य अतिथि पुलिस क्षेत्राधिकारी कैम्पियरगंज गौरव त्रिपाठी, विशिष्ट अतिथि भारत सरकार के पूर्व औषधि महानियंत्रक डॉ. जीएन सिंह और चिलुआताल के थाना प्रभारी अतुल श्रीवास्तव रहे। इस अवसर पर कुलपति डॉ. सुरिंदर सिंह ने कहा कि यह कार्यक्रम छात्रों के लिए एक महत्वपूर्ण अवसर है। छात्रों को पुलिस विभाग की कार्यप्रणाली को समझने का मौका मिलेगा और वे पुलिस के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण विकसित कर सकेंगे तथा समाज को एक नयी दिशा देने में सहयोग करेंगे। निश्चित ही विद्यार्थियों को जोड़कर पुलिस विभाग के कार्यों का प्रशिक्षण प्राप्त कर समाज को जागरुक करेंगे। क्षेत्राधिकारी गौरव त्रिपाठी ने कहा कि पुलिस विभाग छात्रों के लिए हमेशा सहयोगी रहा है। उन्होंने कहा कि छात्रों को पुलिस के प्रति कोई भ्रांति नहीं रखनी चाहिए। पुलिस विभाग छात्रों के लिए हमेशा मददगार साबित होगा। डॉ. जीएन सिंह ने कहा कि उत्तर प्रदेश की जनता निश्छल भाव की है। आज साइबर क्राइम तेजी से समाज में अपनी जड़ें जमा रहा है। सजग और सतर्क रहकर साइबर अपराधों से बचाने में युवा वर्ग महती भूमिका निभा सकता है। युवाओं को सजग प्रहरी की तरह समाज के प्रति समर्पित रहना होगा। उन्होंने कहा कि महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय शिक्षा देने के साथ विद्यार्थी को सामाजिक दायित्वों का बोध भी करा रहा है। कार्यक्रम की रुपरेखा बताते हुए और सभी अतिथि का स्वागत राष्ट्रीय सेवा योजना के समन्वयक डॉ. अखिलेश दुबे ने कहा कि कार्यक्रम में पुलिस की कार्यवाही को सीखकर विद्यार्थी अपना संवेगात्मक विकास करेंगे। धन्यवाद ज्ञापन कार्यक्रम अधिकारी साध्वीनन्दन पाण्डेय ने किया। इस अवसर पर डॉ. शशिकांत सिंह प्राचार्य फार्मेसी संकाय, डॉ.विमल दुबे अधिष्ठाता कृषि संकाय, लेफ्टिनेंट डॉ.संदीप श्रीवास्तव, आंनद मिश्र, रवि कुमार, डॉ.अभिषेक सिंह, डॉ. आयुष पाठक, धनन्जय पाण्डेय, कविता साहनी, सुमन यादव, गरिमा पाण्डेय के साथ समस्त विद्यार्थी उपस्थित रहे।

◉ छात्रों के लिए हमेशा मददगार साबित होगा पुलिस विभाग : गौरव त्रिपाठी'

◉ 'युवाओं को सजग प्रहरी की तरह समाज के प्रति समर्पित रहना होगा : डॉ. जीएन सिंह'

ज्यादातर कामकाजी महिलाएं विशाखा कमेटी के दिशा निर्देशों से हैं अनजान

गोरखनाथ विवि

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत शुक्रवार को सेक्सुअल हैरेसमेंट प्रिवेंशनः अकॉर्डिंग टू सुप्रीम कोर्ट विशाखा गाइडलाइन विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता संबद्ध विज्ञान संकाय में सहायक आचार्य डॉ. प्रेरणा अदिति ने कहा कि कामकाजी महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर होने वाले अभद्र व्यवहार, यौन अपराध, धमकाना, अश्लील टिप्पणी, गंदे इशारे, उत्पीड़न और प्रताड़ना को सेक्सुअल हैरेसमेंट कहा जाता है।

डॉ. प्रेरणा ने बताया कि कामकाजी महिलाओं को यौन अपराध, उत्पीड़न और प्रताड़ना से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने साल 2013 में विशाखा दिशानिर्देश को जारी किया था। हालांकि आज भी कई महिलाएं इस गाइडलाइन से अनजान हैं। विशाखा गाइडलाइन के तहत महिलाएं तुरंत शिकायत दर्ज करवा सकती हैं। इस गाइडलाइन को विशाखा और अन्य बनाम राजस्थान और भारत सरकार मामले के तौर पर भी जाना जाता है।

राजस्थान के जयपुर में भंवरी देवी राज्य सरकार की महिला विकास कार्यक्रम के तहत कार्य करती थीं जो इस पूरी गाइडलाइन की केंद्र बिंदु है। 1992 में उनके साथ हुए दुष्कर्म के खिलाफ न्याय दिलाने के लिए कुछ गैर सरकारी संस्थाओं ने साथ मिलकर कर 1997 में विशाखा नाम से सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की।

स्त्री अधिकार को लेकर बने हैं कई कानून

डॉ. प्रेरणा ने कहा कि साल 2012 में वर्कप्लेस बिल लाया गया जिसमें लिंग समानता, जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार को लेकर बड़े कानून बनाए गए। साल 2013 में सेक्सुअल हैरेसमेंट आफ वूमेन एट वर्कप्लेस एक्ट 2013 कानून पारित हुआ जिसे प्रिवेंशन, प्रोविजन और रिड्रेसल एक्ट भी कहा जाता है। इस गाइडलाइन के अनुसार 10 या 10 से अधिक कर्मचारी वाली कंपनी में इंटरनल कंपलेक्स कमेटी बनाना अनिवार्य है। व्याख्यान के दौरान डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. अमित दुबे, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. अवेद्यनाथ, डॉ. किरण, डॉ. कीर्ति, रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, प्रज्ञा पांडेय, आशुतोष मौजूद रहे।

विशाखा दिशानिर्देश से कई महिलाएं आज भी अनजानः डॉ. प्रेरणा

कौटिल्य का भारत

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत शुक्रवार को सेक्सुअल हैरेसमेंट प्रिवेंशन= अकॉर्डिंग टू सुप्रीम कोर्ट विशाखा गाइडलाइन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता संबद्ध विज्ञान संकाय में सहायक आचार्य डॉ. प्रेरणा अदिति ने कहा कि कामकाजी महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर होने वाले अभद्र व्यवहार, यौन अपराध, धमकाना, अश्लील टिप्पणी, गदि इशारे, उत्पीड़न और प्रताड़ना को सेक्सुअल हैरेसमेंट कहा जाता है।

डॉ. प्रेरणा ने बताया कि कामकाजी महिलाओं को यौन अपराध, उत्पीड़न और प्रताड़ना से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने साल 2013 में विशाखा दिशानिर्देश को जारी किया था। हालांकि आज भी कई महिलाएं इस गाइडलाइन से अनजान हैं। विशाखा गाइडलाइन के तहत महिलाएं तुरंत शिकायत दर्ज करवा सकती हैं। इस गाइडलाइन को विशाखा और अन्य बनाम राजस्थान और भारत सरकार मामले के तौर पर भी जाना जाता है। राजस्थान के जयपुर में भंवरी देवी राज्य सरकार की महिला विकास कार्यक्रम के तहत कार्य करती थीं जो इस पूरी गाइडलाइन की केंद्र बिंदु है। 1992 में उनके साथ हुए दुष्कर्म के खिलाफ न्याय दिलाने के लिए कुछ गैर सरकारी संस्थाओं ने साथ मिलकर कर 1997 में विशाखा नाम से सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की। इस याचिका के तहत सुप्रीम कोर्ट ने यौन उत्पीड़न को परिभाषित करते हुए दिशा-निर्देश जारी किया। डॉ. प्रेरणा ने कहा कि साल 2012 में वर्कप्लेस बिल लाया गया जिसमें लिंग समानता, जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार को लेकर बड़े कानून बनाए गए। साल 2013 में सेक्सुअल हैरेसमेंट आफ वूमेन एट वर्कप्लेस एक्ट 2013 कानून पारित हुआ जिसे प्रिवेंशन, प्रोविजन और रिड्रेसल एक्ट भी कहा जाता है।

विशाखा दिशानिर्देश से कई महिलाएं आज भी अनजान : डॉ. प्रेरणा

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत शुक्रवार को सेक्सुअल हैरेसमेंट प्रिवेंशनरू अकॉर्डिंग टू सुप्रीम कोर्ट विशाखा गाइडलाइन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता संबद्ध विज्ञान संकाय में सहायक आचार्य डॉ. प्रेरणा अदिति ने कहा कि कामकाजी महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर होने वाले अभद्र व्यवहार, यौन अपराध, धमकाना, अश्लील टिप्पणी, गंदे इशारे, उत्पीड़न और प्रताड़ना को सेक्सुअल हैरेसमेंट कहा जाता है।

डॉ. प्रेरणा ने बताया कि कामकाजी महिलाओं को यौन अपराध, उत्पीड़न और प्रताड़ना से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने ... दिशानिर्देश को जारी किया था। हालांकि आज भी कई महिलाएं इस गाइडलाइन से अनजान है। विशाखा गाइडलाइन के तहत महिलाएं तुरंत शिकायत दर्ज करवा सकती हैं। इस गाइडलाइन को विशाखा और अन्य बनाम राजस्थान और भारत सरकार मामले के तौर पर भी जाना जाता है। राजस्थान के जयपुर में भंवरी देवी राज्य सरकार की महिला विकास कार्यक्रम के तहत कार्य करती थीं जो इस पूरी गाइडलाइन की केंद्र बिंदु है। 1992 में उनके साथ हुए दुष्कर्म के खिलाफ न्याय दिलाने के लिए कुछ गैर सरकारी संस्थाओं ने साथ मिलकर ... सुप्रीम कोर्ट मे एक जनहित याचिका दायर की। इस याचिका ... के तहत सुप्रीम कोर्ट ने यौन उत्पीड़न को परिभाषित करते हुए दिशा-निर्देश जारी किया। डॉ. प्रेरणा ने कहा कि साल ... गया जिसमें लिंग समानता, जीवन और स्वतंत्रता के अधि... कार को लेकर बड़े कानून बनाए गए। साल 2013 में सेक्सुअल हैरेसमेंट आफ वूमेन एट वर्कप्लेस एक्ट 2013 कानून पारित हुआ ... रिड्रेसल एक्ट भी कहा जाता है। इस गाइडलाइन के अनुसार 10 या 10 से अधिक कर्मचारी वाली कंपनी में इंटरनल कंपलेक्स कमेटी बनाना अनिवार्य है एवं कमेटी की अध्यक्षता महिला करेगी तथा आधे से ज्यादा सदस्य महिला होगी जिसमें से एक सदस्य यौन शोषण एनजीओ में कार्यरत महिला होगी।

व्याख्यान के दौरान डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. अमित दुबे, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. अवेद्यनाथ, डॉ. किरण, डॉ. कीर्ति, रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, प्रज्ञा पांडेय, आशुतोष श्रीवास्तव, धनंजय पांडेय

विशाखा दिशा निर्देश से कई महिलाएं आज भी अनजान

जागरण संवाददाता, गोरखपुर : महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत शुक्रवार को सेक्सुअल हैरेसमेंट प्रिवेंशनः अकार्डिंग टू सुप्रीम कोर्ट विशाखा गाइडलाइन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता डा. प्रेरणा अदिति ने कहा कि कामकाजी महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर होने वाले अभद्र व्यवहार, यौन अपराध, धमकाना, अश्लील टिप्पणी, गंदे इशारे, उत्पीड़न और प्रताड़ना को सेक्सुअल हैरेसमेंट कहा जाता है।

डा. प्रेरणा ने बताया कि कामकाजी महिलाओं को यौन अपराध, उत्पीड़न और प्रताड़ना से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने साल 2013 में विशाखा दिशा निर्देश को जारी किया था। हालांकि आज भी कई महिलाएं इस गाइडलाइन से अनजान हैं। विशाखा गाइडलाइन के तहत महिलाएं तुरंत शिकायत दर्ज करवा सकती हैं। इस दौरान डा. सुनील कुमार, डा. अनुपमा ओझा, डा. अमित दुबे, डा. पवन कुमार कन्नौजिया, डा. अवेद्यनाथ, डा. किरण, डा. कीर्ति आदि मौजूद रहे।

सशस्त्र बलों में अपनी विशिष्ट पहचान बना रहीं हैं महिलाएं

■ मिशन शक्ति फेज-5 के तहत 'सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका' विषय पर व्याख्यान

गोरखपुर, वरिष्ठ संवाददाता। श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य कर्नल (सेवानिवृत्त) डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा ने कहा कि आज के दौरान महिलाएं सशस्त्र बलों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रही हैं।

डॉ. कुशवाहा महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत 'सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका' विषय पर आयोजित व्याख्यान में बतौर मुख्य वक्ता संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि वर्तमान आंकड़ों में भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना में कुल नौ हजार चौरासी महिला कार्मिक सेवारत हैं। जो अपने अदम्य साहस और कर्तव्य निष्ठा से रक्षा क्षेत्र में स्वर्णिम इतिहास लिख रही है। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में महिलाओं के लिए अनंत स्वर्णिम द्वार खुले हुए हैं। संचालन एनसीसी अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने किया। मौके पर फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक सिंह, जूही तिवारी, अंडर आफिसर अंशिका सिंह, आशुतोष मणि त्रिपाठी, अस्मिता सिंह अभिषेक चौरसिया, खुशी यादव, शालिनी चौहान, संजना शर्मा, अमृता कन्नौजिया, अनुभव पांडेय, नीलेश यादव, अभिषेक मिश्रा उपस्थित रहे।

सशस्त्र बलों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहीं महिलाएं : कुशवाहा

महायोगी गोरखनाथ विवि में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत 'सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका' विषयक व्याख्यान

संवाददाता

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत 'सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका' विषय पर व्याख्यान में मुख्य वक्ता श्री गोरखनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य कर्नल (सेवानिवृत्त) डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा ने कहा कि आज के दौर में महिलाएं सशस्त्र बलों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रही हैं।

डॉ. कुशवाहा ने कहा कि भारतीय सेना में महिलाओं की भर्ती, भारत सरकार की सकारात्मक पहल रही है। महिलाओं में रचनात्मक सृजन और नवाचार, निर्णय लेने और परिणाम के प्रति समर्पण भाव अर्पण किया है। वर्तमान आंकड़ों में भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना में कुल नौ हजार चौरासी महिला कार्मिक सेवारत है, जो अपने अदम्य साहस और कर्तव्य निष्ठा से रक्षा क्षेत्र में स्वर्णिम इतिहास लिख रही है। इस अवसर पर एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में महिलाओं के लिए अनंत स्वर्णिम द्वार खुले हुए हैं। आज, महिलाएं भारतीय सैन्य बलों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत है और उनकी भूमिका न केवल युद्धक गतिविधियों तक सीमित है, बल्कि वे रणनीतिक निर्णय लेने में भी शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने किया। इस अवसर पर रूप से फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक सिंह, जूही तिवारी, अंडर आफिसर अंशिका सिंह, आशुतोष मणि त्रिपाठी, अस्मिता सिंह अभिषेक चौरसिया, खुशी यादव, शालिनी चौहान, संजना शर्मा, अमृता कन्नौजिया, अनुभव पांडेय, नीलेश यादव, अभिषेक मिश्रा, शिखर पाण्डेय, उजाला सिंह, पार्वती साहनी, अनुराधा विश्वकर्मा सहित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सशस्त्र बलों में विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहीं महिलाएं : प्राचार्य

■ महायोगी गोरखनाथ विवि में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत 'सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका' विषयक व्याख्यान

गोरखपुर (एसएनबी)। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत 'सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका' विषय पर व्याख्यान में मुख्य वक्ता श्री गोरखनाथ मेडिकल कालेज हास्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य कर्नल डा. अरविंद सिंह कुशवाहा ने कहा कि आज के दौर में महिलाएं सशस्त्र बलों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रही हैं।

प्राचार्य डा. कुशवाहा ने कहा कि भारतीय सेना में महिलाओं की भर्ती, भारत सरकार की सकारात्मक पहल रही है। महिलाओं में रचनात्मक सृजन और नवाचार, निर्णय लेने और परिणाम के प्रति समर्पण भाव अर्पण किया है। वर्तमान आंकड़ों में भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना में कुल नौ हजार चौरासी महिला कार्मिक सेवारत हैं, जो अपने अदम्य साहस और कर्तव्य निष्ठा से रक्षा क्षेत्र में इतिहास लिख रही है। एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डा. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में महिलाओं के लिए अनंत स्वर्णिम द्वार खुले हुए हैं। आज, महिलाएं भारतीय सैन्य बलों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं और उनकी भूमिका न केवल युद्धक गतिविधियों तक सीमित है, बल्कि वे रणनीतिक निर्णय लेने में भी शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने किया। इस अवसर पर रूप से फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डा. शशिकांत सिंह, सहायक आचार्य डा. अभिषेक सिंह, जूही तिवारी, अंडर आफिसर अंशिका सिंह, आशुतोष मणि त्रिपाठी, अस्मिता सिंह, अभिषेक चौरसिया, खुशी यादव, शालिनी चौहान, संजना शर्मा, अमृता कन्नौजिया, अनुभव पाण्डेय, नीलेश यादव, अभिषेक मिश्रा, शिखर पाण्डेय, उजाला सिंह, पार्वती साहनी, अनुराधा विश्वकर्मा सहित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सभी शिक्षक और छात्र मौजूद रहे।

विशाखा दिशा निर्देश से कई महिलाएं आज भी अनजान : डॉ० प्रेरणा

ग्राम स्वराज्य (संवाददाता)

गोरखपुर, 3 जनवरी। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर में मिशन शक्ति फेज-5 के अंतर्गत शुक्रवार को सेक्सुअल हैरेसमेंट प्रिवेंशन: अकॉर्डिंग टू सुप्रीम कोर्ट विशाखा गाइडलाइन' विषय पर व्याख्यान का आयोजन किया गया। इस अवसर पर मुख्य वक्ता संबद्ध विज्ञान संकाय में सहायक आचार्य डॉ. प्रेरणा अदिति ने कहा कि कामकाजी महिलाओं के साथ कार्यस्थल पर होने वाले अभद्र व्यवहार, यौन अपराध, धमकाना, अश्लील टिप्पणी, गंदे इशारे, उत्पीड़न और प्रताड़ना को सेक्सुअल हैरेसमेंट कहा जाता है। डॉ. प्रेरणा ने बताया कि कामकाजी महिलाओं को यौन अपराध, उत्पीड़न और प्रताड़ना से बचने के लिए सुप्रीम कोर्ट ने साल 2013 में विशाखा दिशानिर्देश को जारी किया था। हालांकि आज भी कई महिलाएं इस गाइडलाइन से अनजान हैं। विशाखा गाइडलाइन के तहत महिलाएं तुरंत शिकायत दर्ज करवा सकती हैं। इस गाइडलाइन को विशाखा और अन्य बनाम राजस्थान और भारत सरकार मामले के तौर पर भी जाना जाता है। राजस्थान के जयपुर में भंवरी देवी राज्य सरकार की महिला विकास कार्यक्रम के तहत कार्य करती थीं जो इस पूरी गाइडलाइन की केंद्र बिंदु है। 1992 में उनके साथ हुए दुष्कर्म के खिलाफ न्याय दिलाने के लिए कुछ गैर सरकारी संस्थाओं ने साथ मिलकर कर 1997 में विशाखा नाम से सुप्रीम कोर्ट में एक जनहित याचिका दायर की। इस याचिका के तहत सुप्रीम कोर्ट ने यौन उत्पीड़न को परिभाषित करते हुए दिशा-निर्देश जारी किया। डॉ. प्रेरणा ने कहा कि साल 2012 में वर्कप्लेस बिल लाया गया जिसमें लिंग समानता, जीवन और स्वतंत्रता के अधिकार को लेकर बड़े कानून बनाए गए। साल 2013 में सेक्सुअल हैरेसमेंट आफ वूमेन एट वर्कप्लेस एक्ट 2013 कानून पारित हुआ जिसे प्रिवेंशन, प्रोविजन और रिड्रेसल एक्ट भी कहा जाता है। इस गाइडलाइन के अनुसार 10 या 10 से अधिक कर्मचारी वाली कंपनी में इंटरनल कंपलेक्स कमेटी बनाना अनिवार्य है एवं कमेटी की अध्यक्षता महिला करेंगी तथा आधे से ज्यादा सदस्य महिला होगी जिसमें से एक सदस्य यौन शोषण एनजीओ में कार्यरत महिला होंगी। व्याख्यान के दौरान डॉ. सुनील कुमार, डॉ. अनुपमा ओझा, डॉ. अमित दुबे, डॉ. पवन कुमार कनौजिया, डॉ. अवेद्यनाथ, डॉ. किरण, डॉ. कीर्ति, रश्मि झा, सृष्टि यदुवंशी, प्रज्ञा पांडेय, आशुतोष श्रीवास्तव, धनंजय पांडेय आदि मौजूद रहे।

सशस्त्र बलों में विशिष्ट पहचान स्थापित कर रहीं महिलाएं : कुशवाहा

स्वतंत्र चेतना

» महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत ह्यसशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका विषयक व्याख्यान

गोरखपुर। महायोगी गोरक्षनाथ विश्वविद्यालय में मिशन शक्ति फेज-5 के तहत सशस्त्र बलों में महिलाओं की भूमिका विषय पर व्याख्यानमाला आयोजन किया गया। कार्यक्रम के मुख्य वक्ता गोरक्षनाथ मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के प्राचार्य कर्नल डॉ. अरविंद सिंह कुशवाहा ने कहा कि आज के दौर में महिलाएं सशस्त्र बलों में अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित कर रही हैं।

डॉ. कुशवाहा ने कहा कि भारतीय सेना में महिलाओं की भर्ती, भारत सरकार की सकारात्मक पहल रही है। महिलाओं ने रचनात्मक सृजन और नवाचार, निर्णय लेने और परिणाम के प्रति समर्पण भाव अर्पण किया है। वर्तमान आंकड़ों में भारतीय थलसेना, वायुसेना और नौसेना में कुल नौ हजार चौरासी महिला कार्मिक सेवारत हैं, जो अपने अदम्य साहस और कर्तव्य निष्ठा से रक्षा क्षेत्र में स्वर्णिम इतिहास लिख रही है।

एनसीसी अधिकारी लेफ्टिनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि रक्षा क्षेत्र में महिलाओं के लिए अनंत स्वर्णिम द्वार खुले हुए हैं। आज, महिलाएं भारतीय सैन्य बलों में महत्वपूर्ण पदों पर कार्यरत हैं और उनकी भूमिका न केवल युद्धक गतिविधियों तक सीमित है, बल्कि वे रणनीतिक निर्णय लेने में भी शामिल हैं। कार्यक्रम का संचालन एनसीसी अंडर आफिसर अंशिका सिंह ने किया। इस अवसर पर रूप से फार्मेसी संकाय के प्राचार्य डॉ. शशिकांत सिंह, सहायक आचार्य डॉ. अभिषेक सिंह, जूही तिवारी, अंडर आफिसर अंशिका सिंह, आशुतोष मणि त्रिपाठी, अस्मिता सिंह अभिषेक चौरसिया, खुशी यादव, शालिनी चौहान, संजना शर्मा, अमृता कन्नौजिया, अनुभव पांडेय, नीलेश यादव, अभिषेक मिश्रा, शिखर पाण्डेय, उजाला सिंह, पार्वती साहनी, अनुराधा विश्वकर्मा सहित संबद्ध स्वास्थ्य विज्ञान संकाय के सभी शिक्षक और विद्यार्थी उपस्थित रहे।

हिंदुत्व की आध्यात्मिक दिव्यता के ज्योति पुंज है स्वामी विवेकानंद : मिथुन मिश्रा

परफेक्ट मिशन

गोरखपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर कंपनी 102 यू.पी. बटालियन द्वारा राष्ट्र नव निर्माण में युवा सशक्तीकरण व्याख्यान और खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। भारत माता, महायोगी गोरखनाथ , स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्वलन कर व्याख्यान का शुभारंभ हुआ।

राष्ट्र नव निर्माण में युवा सशक्तीकरण व्याख्यान में युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए 102 यू पी एन सी सी बटालियन के अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने संपूर्ण जीवन हिंदुत्व की रक्षा में समर्पित किया वे हिंदुत्व की आध्यात्मिक दिव्यता के ज्योति पुंज हैं । युवाओं को अपने लक्ष्य पर केंद्रित होते हुए राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेने के आगे आना होगा । युवा शक्ति अपने लक्ष्य के साथ अपनी परंपरागत संस्कारों से नींव को मजबूत रखे । युवाओं में असीम ऊर्जा है उसे राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित करे जिससे देश हित में ही हमारा विकास है। लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा राष्ट्र के नव निर्माण में युवाओं का आह्वान करते हुए कहा कि सशक्त राष्ट्र निर्माण को मजबूत करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा उम्र महत्वपूर्ण नहीं है स्वामी जी ने मात्र 23 वर्ष की आयु में आध्यात्म संकल्प से विश्व को हिंदुत्व का मूल कंठस्थ करा दिया था। राष्ट्र सेवा के संकल्प का उत्कृष्ठ उदाहरण भारतीय सेना है।व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए लेफ्टीनेंट डॉ. संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का जीवन संपूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने संपूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया। व्याख्यान का संचालन सार्जेंट खुशी गुप्ता और श्रद्धा उपाध्याय ने किया। व्याख्यान से पूर्व गोरखपुर आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा को सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल ने कैडेट्स के साथ गार्ड ऑफ आनर सैन्य सम्मान की परंपरा को पूर्ण किया।पायलट कैडेट श्रद्धा उपाध्याय और आंचल पाठक ने अतिथि को सम्मान दिया। राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिता में कैडेट्स ने 400 मीटर ,100 मीटर दौड़ , सेक रेस, नींबू दौड़, सुई धागा दौड़ और टग ऑफ वार प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया।आयुर्वेद प्राचार्य डॉ. गिरिधर वेदान्तम ने व्हिस्ल बजाकर दौड प्रतियोगिता का शुभारंभ और लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने सेक ऑफ रेस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया।दौड़ प्रतियोगिता मे 400 मीटर बालक वर्ग में प्रथम अरुण विश्वकर्मा, द्वितीय आदित्य , तृतीय सागर जायसवाल, सांत्वना अरबिंद और अभिषेक मिश्रा , 100 मीटर दौड़ में प्रथम अरुण , द्वितीय सूरज,तृतीय आदित्य, सांत्वना अभिषेक , शिखर और आलोक , गर्ल्स 400 मीटर में प्रथम आंचल पाठक, द्वितीय उजाला सिंह, तृतीय काजल , सांत्वना पार्वती, और श्रद्धा उपाध्याय, रही । 100 मीटर गर्ल्स में प्रथम अस्मिता , द्वितीय आंचल , तृतीय संजना , सांत्वना खुशी , श्रद्धा, टग ऑफ वार गर्ल्स टीम सीनियर विजेता रहा जिसमें श्रद्धा , शालिनी, खुशी, खुशी गुप्ता, चांदनी, संजना, आंचल ने प्रतिद्वंदी टीम को पटखनी दिया । टग ऑफ वार जूनियर बॉयज कैडेट ने सीनियर्स को मैदान में पटका।

नींबू दौड़ ब्याज प्रतियोगिता में प्रथम अभिषेक ,द्वितीय कृष्णा, तृतीय नीलेश ,सांत्वना आलोक और अरविंद रहे ।नींबू दौड़ प्रतियोगिता गर्ल्स कैडेट में प्रथम उजाला , द्वितीय खुशी गुप्ता, तृतीय खुशी यादव, सांत्वना श्रद्धा ,शालनी और संजना रही । शेक रेस सीनियर बॉयज में प्रथम आदित्य, द्वितीय कृष्णा, तृतीय अमित , सांत्वना सागर यादव और सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सेक रेस में प्रथम आंचल, द्वितीय श्रद्धा, तृतीय खुशी यादव , सांत्वना खुशी और अमृता कन्नौजिया रही। आयोजन में प्रमुख रूप से कैडेट अतिका तिवारी, सूरज कुमार, ज्ञानेश्वर मौर्या , आदित्य विश्वकर्मा, अभिषेक चौरसिया, आशुतोष मणि त्रिपाठी, अनुभव , आशुतोष सिंह, चांदनी निषाद, मनीष गुप्ता, ममता , वसुंधरा, विकास यादव , अनुराधा, काजल गौतम, गौरी कुशवाहा, संजना शर्मा सहित सभी प्राचार्य , अधिष्ठाता विभागाध्यक्ष शिक्षक गण ने कैडेट्स का मनोबल बढ़ाया।

ऑनलाइन क्विज प्रतियोगिता 18 को

गोरखपुर। महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में स्वामी विवेकानंद की जयंती के उपलक्ष्य में युवा सप्ताह के अवसर पर 18 जनवरी को ऑनलाइन माध्यम से प्रदेश स्तरीय प्रश्नोत्तरी का आयोजन किया जा रहा है।इसका आयोजन विवि में संचालित राष्ट्रीय सेवा योजना की तरफ से किया जा रहा है। इसमें प्रथम स्थान प्राप्त करने वाले को 11000 रुपये दिए जाएंगे। क्विज प्रतियोगिता में सामान्य ज्ञान, करेंट अफेयर्स, बेसिक कंप्यूटर आधारित सवालों के साथ सामान्य विज्ञान पर प्रश्न रहेंगे। राष्ट्रीय सेवा योजना के कार्यक्रम समन्वयक डॉ. अखिलेश कुमार दुबे ने बताया कि इच्छुक 16 जनवरी तक वेबसाइट पर

हिंदुत्व की आध्यात्मिक दिव्यता के ज्योति पुंज है स्वामी विवेकानंद : लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा

गोरखपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर कंपनी 102 यूपी बटालियन द्वारा राष्ट्र नव निर्माण में युवा सशक्तीकरण व्याख्यान और खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । भारत माता , महायोगी गोरखनाथ , स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्वलन कर व्याख्यान का शुभारंभ हुआ। राष्ट्र नव निर्माण में युवा सशक्तीकरण व्याख्यान में युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए 102 यू पी एन सी सी बटालियन के अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने संपूर्ण जीवन हिंदुत्व की रक्षा में समर्पित किया वे हिंदुत्व की आध्यात्मिक दिव्यता के ज्योति पुंज है । युवाओं को अपने लक्ष्य पर केंद्रित होते हुए राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेने के आगे आना होगा । युवा शक्ति अपने लक्ष्य के साथ अपनी परंपरागत संस्कारों से नींव को मजबूत रखे । युवाओं में असीम ऊर्जा है उसे राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित करे जिससे देश हित में ही हमारा विकास है। लेपटीनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा राष्ट्र के नव निर्माण में युवाओं का आह्वाहन करते हुए कहा कि सशक्त राष्ट्र निर्माण को मजबूत करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा उम्र महत्वपूर्ण नहीं है स्वामी जी ने मात्र 23 वर्ष की आयु में आध्यात्म संकल्प से विश्व को हिंदुत्व का मूल कंठस्थ करा दिया था। राष्ट्र सेवा के संकल्प का उत्कृष्ठ उदाहरण भारतीय सेना है।

व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए लेफ्टीनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का जीवन संपूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने संपूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया।

व्याख्यान का संचालन सार्जेंट खुशी गुप्ता और श्रद्धा उपाध्याय ने किया। व्याख्यान से पूर्व अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी को सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल ने कैडेट्स के साथ गार्ड ऑफ आनर सैन्य सम्मान की परंपरा को पूर्ण किया।पायलट कैडेट श्रद्धा उपाध्याय और आंचल पाठक ने अतिथि को सम्मान दिया।

राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिता में कैडेट्स ने 400 मीटर ,100 मीटर दौड़ , सेक रेस, नींबू दौड़, सुई धागा दौड़ और टग ऑफ वार प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। आयुर्वेद प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम जी ने व्हिस्ल बजाकर दौड प्रतियोगिता का शुभारंभ और लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने सेक ऑफ रेस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया ।

दौड प्रतियोगिता मे 400 मीटर बालक वर्ग में प्रथम अरुण विश्वकर्मा,

द्वितीय आदित्य , तृतीय सागर जायसवाल, सांत्वना अरविंद और अभिषेक मिश्रा , 100 मीटर दौड़ में प्रथम अरुण , द्वितीय सूरज,तृतीय आदित्य, सांत्वना अभिषेक , शिखर और आलोक , गर्ल्स 400 मीटर में प्रथम आंचल पाठक, द्वितीय उजाला सिंह, तृतीय काजल , सांत्वना पार्वती, और श्रद्धा उपाध्याय, रही ।

हिंदुत्व की आध्यात्मिक दिव्यता के ज्योति पुंज है स्वामी विवेकानंद : लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा

- एनसीसी कैडेट्स ने दौड़, सेक रेस , लेमन रेस, टग ऑफ वार में किया प्रतिभाग
- महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय युवा दिवस पर व्याख्यान और खेल कूद प्रतियोगिता में कैडेट्स ने समर्पित किया भाव अर्पण

संवाददाता

गोरखपुर। राष्ट्रीय युवा दिवस पर महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय के राष्ट्रीय कैडेट कोर कंपनी 102 यूपी बटालियन द्वारा राष्ट्र नव निर्माण में युवा सशक्तीकरण व्याख्यान और खेल कूद प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । भारत माता , महायोगी गोरखनाथ , स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर पुष्प अर्पण और दीप प्रज्वलन कर व्याख्यान का शुभारंभ हुआ। राष्ट्र नव निर्माण में युवा सशक्तीकरण व्याख्यान में युवाओं का मार्गदर्शन करते हुए 102 यू पी एन सी सी बटालियन के अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी ने संपूर्ण जीवन हिंदुत्व की रक्षा में समर्पित किया वे हिंदुत्व की आध्यात्मिक दिव्यता के ज्योति पुंज है । युवाओं को अपने लक्ष्य पर केंद्रित होते हुए राष्ट्र रक्षा का संकल्प लेने के आगे आना होगा । युवा शक्ति अपने लक्ष्य के साथ अपनी परंपरागत संस्कारों से नींव को मजबूत रखे । युवाओं में असीम ऊर्जा है उसे राष्ट्र सेवा के लिए समर्पित करे जिससे देश हित में ही हमारा विकास है। लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा राष्ट्र के नव निर्माण में युवाओं का आह्वाहन करते हुए कहा कि सशक्त राष्ट्र निर्माण को मजबूत करने के लिए युवाओं को आगे आना होगा उम्र महत्वपूर्ण नहीं है स्वामी जी ने मात्र 23 वर्ष की आयु में आध्यात्म संकल्प से विश्व को हिंदुत्व का मूल कंठस्थ करा दिया था। राष्ट्र सेवा के संकल्प का उत्कृष्ठ उदाहरण भारतीय सेना है। व्याख्यान की अध्यक्षता करते हुए लेफ्टिनेंट डॉ संदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि स्वामी विवेकानंद जी का जीवन संपूर्ण राष्ट्र के लिए प्रेरणा का स्रोत है। विलक्षण प्रतिभा के धनी स्वामी जी ने संपूर्ण विश्व में भारत के धर्म संस्कृति के उत्थान का संकल्प सिद्ध किया। व्याख्यान का संचालन सार्जेंट खुशी गुप्ता और श्रद्धा उपाध्याय ने किया। व्याख्यान से पूर्व अडम आफिसर लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा जी को सीनियर अंडर आफिसर सागर जायसवाल ने कैडेट्स के साथ गार्ड ऑफ आनर सैन्य सम्मान की परंपरा को पूर्ण किया।पायलट कैडेट श्रद्धा उपाध्याय और आंचल पाठक ने अतिथि को सम्मान दिया। राष्ट्रीय युवा दिवस पर आयोजित विभिन्न खेल कूद प्रतियोगिता में कैडेट्स ने 400 मीटर ,100 मीटर दौड़ , सेक रेस, नींबू दौड़, सुई धागा दौड़ और टग ऑफ वार प्रतियोगिता में प्रतिभाग किया। आयुर्वेद प्राचार्य डॉ गिरिधर वेदान्तम जी ने व्हिस्ल बजाकर दौड प्रतियोगिता का शुभारंभ और लेफ्टिनेंट कर्नल मिथुन मिश्रा ने सेक ऑफ रेस प्रतियोगिता का शुभारंभ किया । दौड प्रतियोगिता में 400 मीटर बालक वर्ग में प्रथम अरुण विश्वकर्मा, द्वितीय आदित्य , तृतीय सागर जायसवाल, सांत्वना अरविंद और अभिषेक मिश्रा , 100 मीटर दौड़ में प्रथम अरुण , द्वितीय सूरज,तृतीय आदित्य, सांत्वना अभिषेक , शिखर और आलोक , गर्ल्स 400 मीटर में प्रथम आंचल पाठक, द्वितीय उजाला सिंह, तृतीय काजल , सांत्वना पार्वती, और श्रद्धा उपाध्याय, रही । 100 मीटर गर्ल्स में प्रथम अस्मिता , द्वितीय आंचल , तृतीय संजना , सांत्वना खुशी , श्रद्धा, टग ऑफ वार गर्ल्स टीम सीनियर विजेता रहा जिसमें श्रद्धा , शालिनी, खुशी, खुशी गुप्ता, चांदनी,संजना, आंचल ने प्रतिद्वंदी टीम को पटखनी दिया । टग ऑफ वार जूनियर बॉयज कैडेट ने सीनियर्स को मैदान में पटका।

नींबू दौड़ व्याज प्रतियोगिता में प्रथम अभिषेक ,द्वितीय कृष्णा, तृतीय नीलेश सांत्वना आलोक और अरविंद रहे । नींबू दौड़ प्रतियोगिता गर्ल्स कैडेट में प्रथम उजाला , द्वितीय खुशी गुप्ता, तृतीय खुशी यादव, सांत्वना श्रद्धा , शालनी और संजना रही । शेक रेस सीनियर बॉयज में प्रथम आदित्य, द्वितीय कृष्णा, तृतीय अमित , सांत्वना सागर यादव और सागर जायसवाल, गर्ल्स सीनियर सेक रेस में प्रथम आंचल, द्वितीय श्रद्धा, तृतीय खुशीयादव , सांत्वना खुशी गुप्ता और अमृता कन्नौजिया रही। आयोजन मे प्रमुख रूप से कैडेट अतिका तिवारी, सूरज कुमार, ज्ञानेश्वर मौर्या , आदित्य विश्वकर्मा, अभिषेक चौरसिया,आशुतोष मणि त्रिपाठी, अनुभव , आशुतोष सिंह, चांदनी निषाद, मनीष गुप्ता, ममता , वसुंधरा, विकास यादव , अनुराधा, काजल गौतम, गौरी कुशवाहा, संजना शर्मा सहित सभी प्राचार्य , अधिष्ठाता विभागाध्यक्ष शिक्षक गण ने कैडेट्स का मनोबल बढ़ाया।

यूपी और भारत को जानने का अवसर है प्रयागराज महाकुंभ : मुख्यमंत्री

संवाददाता

- गोरखपुर महोत्सव के औपचारिक समापन समारोह में बोले

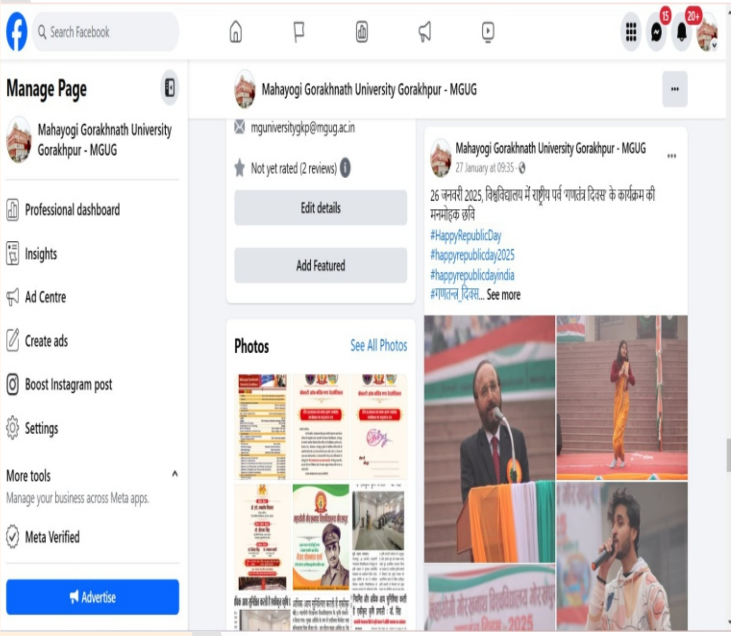
Manage Page
Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur - MGUG
Professional dashboard
Insights
Ad Centre
Create ads
Boost Instagram post
Settings
More tools
Manage your business across Meta apps.
Meta Verified
Advertise
Edit details
Add Featured
Photos
See All Photos
26 जनवरी 2025, विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पर्व 'गणतंत्र दिवस' के कार्यक्रम की मनमोहक छवि
#HappyRepublicDay
#happyrepublicday2025
#happyrepublicdayindia

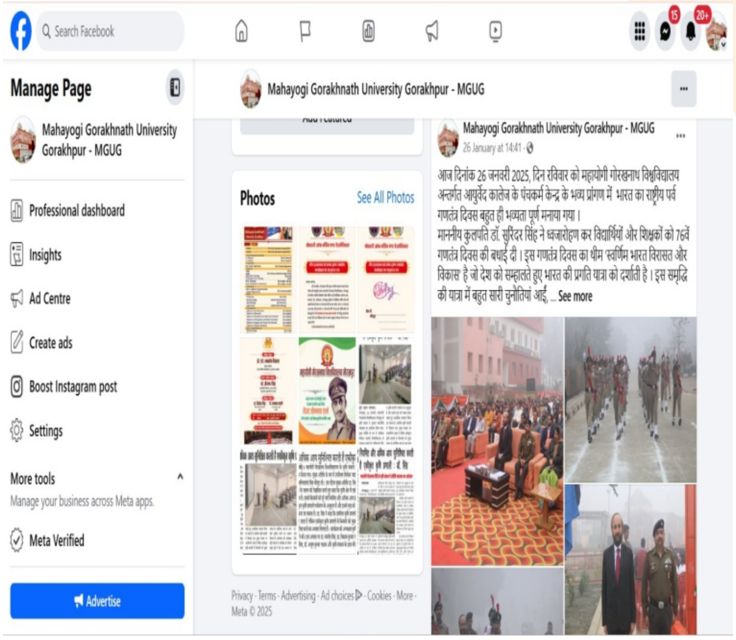
Manage Page
Mahayogi Gorakhnath University Gorakhpur - MGUG
Professional dashboard
Insights
Ad Centre
Create ads
Boost Instagram post
Settings
More tools
Meta Verified
Advertise
Photos
See All Photos

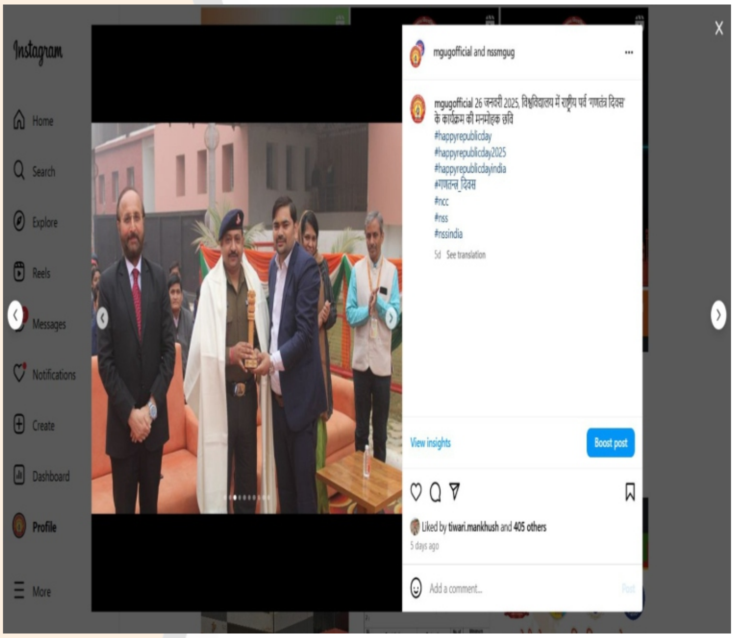
Instagram
mgugofficial and nssmgug
mgugofficial 26 जनवरी 2025, विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पर्व 'गणतंत्र दिवस' के कार्यक्रम की मनमोहक छवि
#happyrepublicday
#happyrepublicday2025
#happyrepublicdayindia
#ncc
#nss
#nssindia
View insights
Boost post

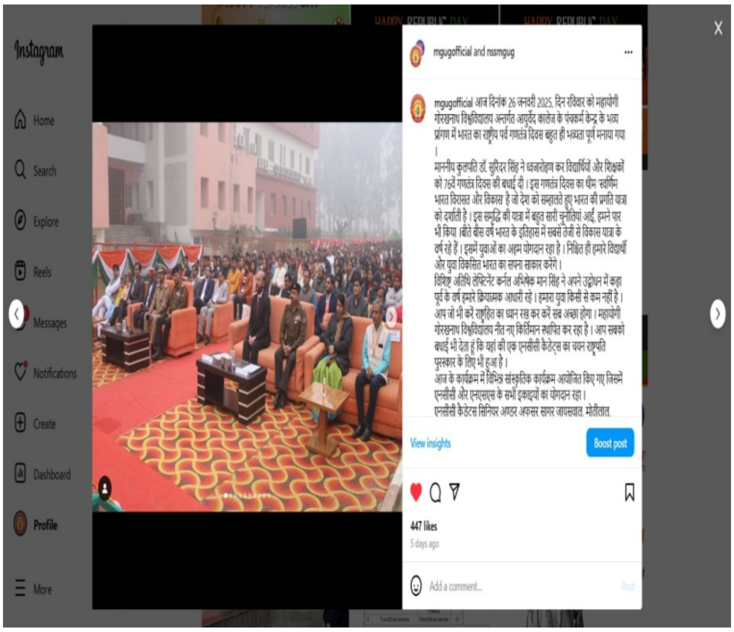
Instagram
mgugofficial and nssmgug
View insights
Boost post
447 likes

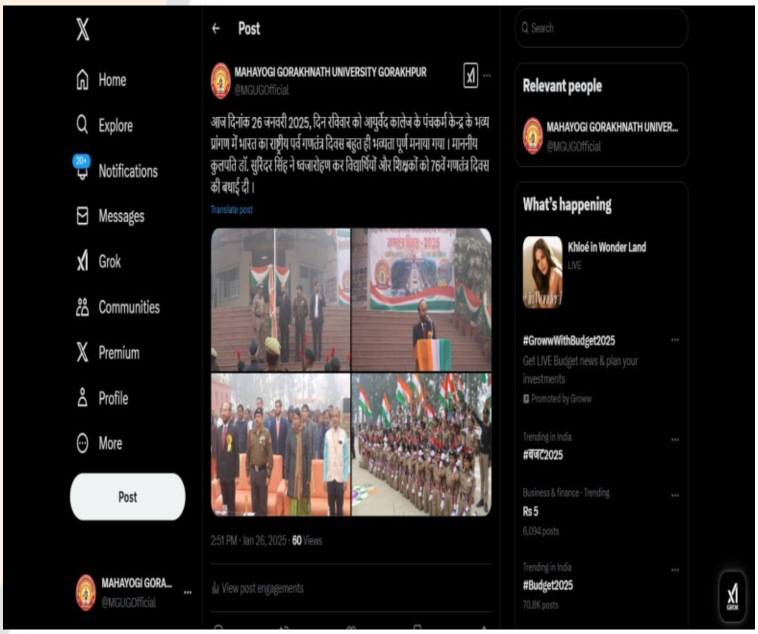
Post
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHPUR
@MGUGOfficial
Home
Explore
Notifications
Messages
Grok
Communities
Premium
Profile
More
Post
Relevant people
What's happening

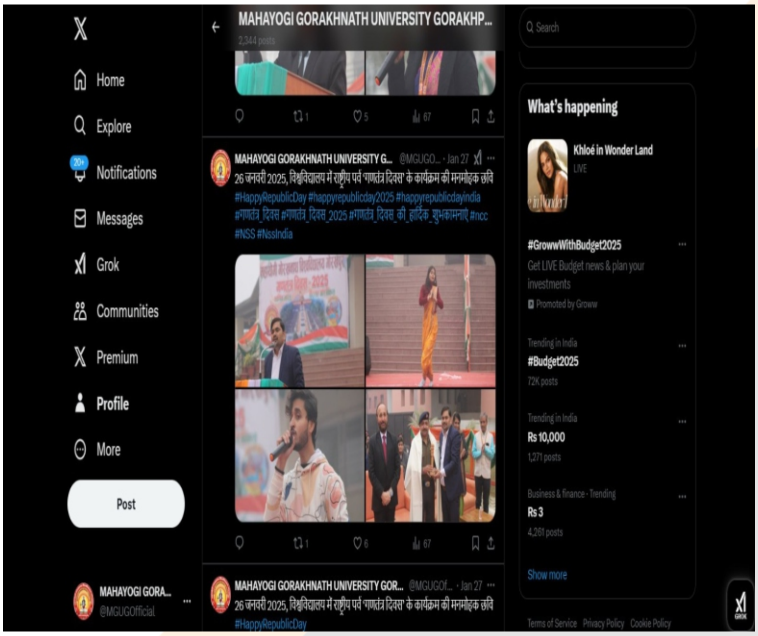
MAHAYOGI GORAKHNATH UNIVERSITY GORAKHP...
Home
Explore
Notifications
Messages
Grok
Communities
Premium
Profile
More
Post
What's happening
26 जनवरी 2025, विश्वविद्यालय में राष्ट्रीय पर्व 'गणतंत्र दिवस' के कार्यक्रम की मनमोहक छवि

महायोगी गोरखनाथ विश्वविद्यालय गोरखपुर

आरोग्य धाम, बालापार रोड, सोनबरसा, गोरखपुर उत्तर प्रदेश-273007

प्रकाशक

राष्ट्रीय सेवा योजना

एवं

राष्ट्रीय कैडेट कोर

coordinator.nss@mgug.ac.in, mguniversitygkp@mgug.ac.in www.mgug.ac.in